

#### ग्रसाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**० 353]

नई दिल्ली, बुजवार, अगस्त 14, 1974/श्रावण 23, ा 896

No. 353]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 14, 1974/SRAVANA 23, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या वी जाती है जिसने कि यह खलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY

#### ORDER

New Delhi, the 9th August 1974

S.O. 490(E).—Whereas by the notified Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. 555(E), dated the 14th August, 1972 (hereinafter referred to as the said notified Order), read with the notified Order of the Government of India in the Ministry of Heavy Industry No. S.O. 436(E), dated the 10th August, 1973 the Central Government had declared that the operation of all contracts assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders of other instruments in force to which Messers Gresham and Craven of India Private Limited, Calcutta is a party or which may be applicable to it immediately before the 31st day of March, 1971, shall remain suspended for a period of two years from the date of publication of the said notified Order in the Official Gazette;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said notified Order should be extended by a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18-FB of the Industries Development and Regulation Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said notified Order by a further period of one year from the 14th August, 1974.

[No. 2/5/72-HM-III] S. M. GHOSH, Jt. Secy.

## भारी उद्योग मंत्रालय

### ग्रादेश

नई दिल्ली, 9 श्रगस्त, 1974

कार बार 490(अ).—यतः भारत भरकार के भारी उद्योग मंतालय के प्रधिमूचित आदेश सख्या का ब्रार 436 (ङ), तारीख 10 प्रगस्त, 1973 के साथ पठित, औद्योगिक विकास मंतालय के श्रिधमूचित आदेश सख्या 555(श्र), तारीख 14 अगस्त, 1972 द्वारा (जो इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधमूचित आदेश के रूप में निर्दिष्ट हैं) केन्द्रीय सरकार ने यह घोषित किया था कि ऐसी सभी प्रवृत्त संविदाएं, सम्पति के हस्तान्तरण-पव, करार, व्यवस्थाएं, पंचाट, स्थायी श्रादेश श्रा अन्य लिखते, जिनमें मैसर्स ग्रेशम एण्ड केविन आफ इण्डिया लिमिटेड, कलकत्ता पक्षकार है या जो 31 मार्च, 1971 के ठीक पूर्व उसे लागू हो सकते थे, उक्त अधिसूचित आदेश के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से दी वर्ष की अवधि के लिए आस्थिगित रहेगे;

और यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त श्रधिसूचित श्रादेश की ग्रस्तित्वावधि एक वर्ष की श्रवधि के लिए और बढ़ाई जानी चाहिए;

चतः, श्रव केन्द्रीय सरकार, श्रौद्योगिक िकाम श्रीर विनियमन ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चय की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रिधि-मूचित श्रादेश की श्रम्तित्वादिध 14 श्रगस्त, 1974 से एक वर्ष की श्रविध के लिए श्रीर बढ़ाती है।

[सं॰ 2/5/72-एचएम-]]

एस० एम० घोष, संयुक्त सचिव।